

Twitter Thread by Shubham Sharma



Shubham Sharma

@Shubham_fd



Congrats, one of our reports on the Amethi case has been approved by the Chargesheet filed by police. In this case, a Dalit Pradhan was burnt to death by 4-5 Brahmins. It was a completely blind case but our team dig out the facts and published that the named accused are innocent.

Initially, mainstream media falsely reported the case and called UC men a black stain for our society. For your reference, I am posting some big media's news links <https://t.co/a8fAZAvSxl>

News 18

<https://t.co/vHFuypALEh>

The lallantop

<https://t.co/6ectkVnlki>

Zee News

<https://t.co/5LDkycoP0g>

NDTV

<https://t.co/COoqtR59sl>

Now see what we reported <https://t.co/TBoXWS5prf>

As usual, when every media was blaming UC, only [@FDikhana](#) investigated and said the facts. Moreover, due to our report, the so-called victim side has changed their statement and said it was a suicide attempt by Dalit Pradhan. All thanks to [@FDikhana](#). Here is the copy

House No.(मकान संख्या) :

Colony/Locality/Area

(कॉलोनी/इलाका/क्षेत्र) :

Tehsil/Block/Mandal

(तहसील/ब्लॉक/मंडल) :

State (राज्य) :

Pincode (पिन संख्या) :

Street Name(गली का नाम) :

Village/Town/City

(ग्राम/नगर/शहर) :

District (ज़िला) :

Police Station(पुलिस स्टेशन) :

Country(देश) :

f) Description(विवरण) :

वयान गवाह पंचायतनामा.....श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र स्व० अर्जुन निवासी वन्दोईया थाना मुंशीगंज जनपद अमेठी ने पूछने पर पंचायतनामा अनामात का समर्थन करते हुए बताया कि मेरे पिता अर्जुन प्रसाद दिनांक 29/10/20 को शाम 7 बजे कहीं गये थे हम लोग घबड़ाकर थाने में प्रार्थना पत्र दिये थे, रात में करीब 11.00 बजे जाकर देख तो कृष्ण कुमार तिवारी के हाते के अन्दर जले पड़े थे। गम्भीर हालत में अस्पताल लेकर गये। आराम नहीं मिला सुलतानपुर सरकारी अस्पताल में इलाज कराये आराम नहीं मिला लखनऊ इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गयी। मेरे गाँव के रामबाबू उर्फ सदीप मिश्रा व अजय तिवारी, सन्तोष तिवारी, राजेश मिश्रा, कृष्ण कुमार तिवारी मेरे ग्राम प्रधान माता के पांच साल के ग्राम प्रधानी के कार्य की विभागीय जाँच करवा रहे थे। अभियुक्तगण ने मेरे पिता को जेल भेजवाने का पूरा काम कर दिया था। ग्राम प्रधानी का पैसा अभियुक्तगण अपने अपने खाते में काम करवाकर बन्दर बांट कर दिये। मुझे शंका है कि इन्हीं लोगों में से सदीप उर्फ रामबाबू मिश्रा व अजय तिवारी ने कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, सन्तोष तिवारी के विरुद्ध मेरे पिता को भड़का दिया था कि यही लोग जाँच करवा रहे हैं जाँच खिलाफ आने पर प्रधान को जेल भेज दिया जायेगा। जिससे मेरे पिता अर्जुन मानसिक रूप से काफी तनाव में थे। जिसकी चर्चा मेरे पिता कई बार घर में किये थे। इसी वजह से साजिश करके अभियुक्तगण मिलकर मेरे पिता को आत्महत्या के लिए उकसा दिया जबकि कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, सन्तोष तिवारी प्रधानी के परामर्श में मेरी माता ग्राम प्रधान का काफी सहयोग कर रहे थे। ये लोग भी ग्राम प्रधानी का पैसा का धारीय डेढ़ साल तक बन्दर बांट कर दिये। तथा उसके बाद सदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू व अजय तिवारी प्रधानी में काफी सहयोग करने लगे तो कृष्ण कुमार तिवारी, राजेश मिश्रा, सन्तोष तिवारी खिलाफत करने लगे सोचे की ग्राम प्रधान हम लोगों ने बनवाया और सदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू व अजय तिवारी ग्राम प्रधानी का लाभ उठा रहे हैं। करीब डेढ़ साल के ग्राम प्रधानी के बाद सदीप मिश्रा उर्फ राम बाबू व अजय तिवारी ग्राम प्रधानी के पूरे समय तक करीब साढ़े तीन साल तक ग्राम प्रधान मेरी माता से गाँव के विकास का मनरेगा का पैसा, राज्य वित्त का पैसा का देखरेख मेरे माता अनपढ़ होने के कारण करते रहे थे। मेरे पिता को सदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू अपने स्वार्थियों में अजय तिवारी के साथ रोज ले जाना, ले आना तथा अवश्यजता पर मेरी माता ग्राम प्रधान को ग्राम प्रधानी के काम से ले जाना, ले आने का सारा देखरेख का काम करते थे। इन लोगों ने भी ग्राम प्रधानी का पैसा बन्दर बांट कर दिया था इसी वजह से मेरे पिता अर्जुन प्रसाद काफी तनाव में रहते थे। ग्राम प्रधानी के काम में विभागीय जाँच से परेशान होकर अभियुक्तगण के किये गये उत्पीड़न से तंग आ बार काफी दुःख थे इन लोगों में से सदीप मिश्रा उर्फ रामबाबू व शक्तिर दिमाग का व्यक्ति अजय तिवारी ने विशेष रुचि लेकर मेरे पिता को आत्महत्या के लिये बारी बारी उत्तेजित किये हैं। मुझे शंका है कि इन्हीं लोगों ने साजिश किया जिससे मेरे पिता की जलकर मौत हो गयी। मेरे पिता के पंचायतनामा की कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा दी गई। पोस्टमार्टम के बाद अन्तिम संस्कार किया गया था। यही मेरा वयान है।

S.No.(क्र.सं.) : 3

Task Performed (मुख्य कार्य प्रस्तुत किया) : अन्य

(गवाह का नाम) :

(इशतेदार का नाम) :

Now think when the incident happened a dying declaration of the deceased man went viral where he was blaming the UC men for the incident. He said they kidnapped him and put him on fire. Just like Hathras. Govt gave 5 lacs as compensation.

<https://t.co/CklqgHSDaY>

All UC men are in jail for the last 3 months. One of the accused Rajesh Mishra missed her mother's funeral. All pain and miseries due to the draconian Sc-St act and propaganda by the mainstream media. Even right-wing media reported false.

Listen to the audio. A fake dying declaration just like the Hathras case. It was not an easy task for us to do as prima facia the Pradhan was looking right!



मौत से पहले का ऑडियो

